महर्षि कर्वे स्त्री शिक्षण संस्था

व्हिजन इंग्लिश मीडियम स्कूल

द्वितीय सत्र परीक्षा २०१९ - २०

कक्षा - आठवीं | समय - २ घंटे

विषय - हिंदी (संयुक्त) | अंक - ४०

विभाग १ - गद्य

प्रश्न १.अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ लिखिए |

पेट : (पेट पर हाथ फेरते हुए)वाह ! भाई वाह ! सबने अपनी अच्छी बड़ाई की |अरे भैया, यह तो देख लेते कि पेट में ही खाना पहुँचता है | उसे पचाने से शरीर को बल मिलता है और उसी बल पर हाथ, पैर, नाक, कान, जीभ सब उछलते हैं| एक दिन मैं खाना न पचाऊँ, तो सब टें बोल जाएँ | समझ गए तुम, मेरा काम, मुझे न कहना बुद्धूराम |

चेहरा : अब तो मैं ही बचा हूँ जी | सबने अपने -अपने काम बता दिए हैं | लेकिन शरीर में जिसकी सुंदरता बखानी जाती है, वह चेहरा तो ही हैं | इस चेहरे को देख कभी तो कोई कहता-फूल खिला | सुनो, ध्यान से मेरे भाई, चेहरा ही है चीज बड़ी | चेहरे में है नाक खड़ी| अधिक क्या कहूँ, बिना चेहरे के आदमी अधूरा है |

नाक : **(नकियाते हुए)** हमने तो अपने-अपने काम बता दिए अपनी बड़ाई भी कर ली लेकिन सबमें बड़ा कौन ठहरा ?

सभी : **(एक साथ)** मैं बड़ा हूँ | मैं बड़ा हूँ | (सभी अंधों में काना राजा बनने की कोशीश कर रहे थे |)

पेट : भाइयो, आप शांत रहिए | सबमें मैं ही बड़ा लगता हूँ |

पैर : **(बात काटकर)**चुप रहिए, आप बड़े नहीं हैं | **(सूत्रधार आता है |)**

सूत्रधार : (दर्शकों से) और यही था हमारा सम्मेलन अंगों का |सबको धन्यवाद और नमस्कार | अंगों में बड़ा -छोटा कोई नहीं है| अंगों का बड़प्पन आपसी सहयोग में है |

(परदा गिरता है |)

१) **आकृति पूर्ण कीजिए |** (२)

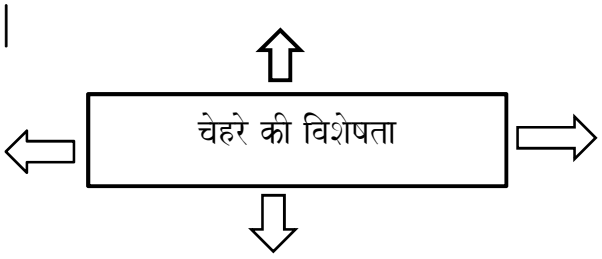

२) **किसने किससे कहा |** (१)

चुप रहिए, आप बड़े नहीं हैं |

३)**मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए |** (१)

अंधों में काना राजा -

४) **'एकता का महत्त्व' इस पर आपके विचार लिखिए |** (२)

प्रश्न १.आ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ लिखिए |

साथियों, एक वर्ष पहले, जब मैंने आपके सामने कुछ माँगे रखी थीं,तब मैंने कहा था कि यदि आप मुझे 'संपूर्ण सैन्य संघटन' दें तो मैं आपको एक दूसरा मोर्चा दूँगा |मैंने अपना वह वचन निभाया है| हमारे अभियान का पहला चरण पूरा हो गया है| हमारी विजयी सेनाओं ने निप्योनीज सेनाओं के साथ कंधे -से-कंधा मिलाकर शत्रु को पीछे धकेल दिया है और अब वे हमारी प्रिय मातृभूमि की पवित्र धरती पर बहादूरी से लड़ रही हैं |अब जो काम हमारे सामने है, पूरा करने के लिए कमर कस लें | मैंने आपसे जवानों, धन और सामग्री की व्यवस्था करने के लिए कहा था | मुझे वे सब भरपूर मात्रा में मिल गए हैं | अब मैं आपसे कुछ और चाहता हूँ | जवान, धन और सामग्री अपने आप विजय या स्वतंत्रता नहीं दिला सकते | हमारे पास ऐसी प्रेरक शक्ति होनी चाहिए, जो हमें बहादूर व नायकोचित कार्यों के लिए प्रेरित करे |

१) **आकृति पूर्ण कीजिए |** (१.५)

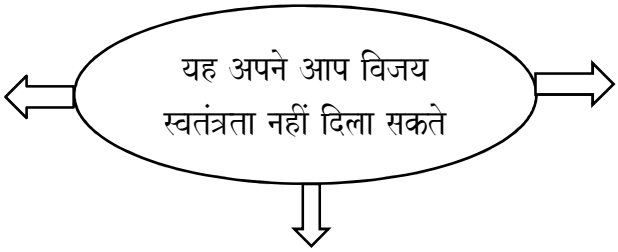

२) **निम्नलिखित विधान सही करके लिखिए |** (०.५)

यदि आप मुझे 'संपूर्ण सैन्य संघठन दे' तो मैं आपको एक तिसरा मोर्चा दूँगा |

३) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए |** (१)

कमर कसना -

४) पर्यायवाची शब्द लिखिए | (१)

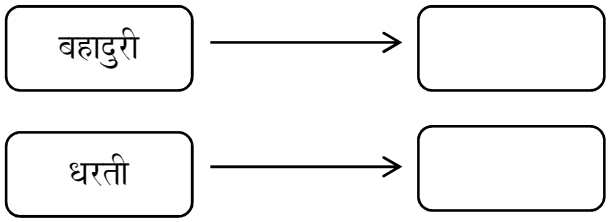

५) किसी एक स्वतंत्रतता सेनानी के कार्यो के बारे जानकारी लिखिए जो आपका प्रेरणास्थान है | (२)

विभाग २- पद्य

प्रश्न २.अ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ लिखिए |

सफर में जिंदगी के कितना कुछ सामान रहता है,
वो खुशकिस्मत है, जिसका हमसफर ईमान रहता है |
सुखी वह है, जमीं से जुड़ा इनसान रहता है,
नदी चलती है झुककर, रास्ता आसान रहता है |
मेरा परमात्मा मेरी तरह बिल्कुल अकेला है,
मुझे उसका, उसे मेरा हमेशा ध्यान रहता है|
वे मरकर भी अमर है, प्यार है तप- त्याग से जिनको,
चला जाता है जब इनसान, तब बलिदान रहता है |

१) वाक्य पूरा करे | (१)

क.जिसका हमसफर ईमान रहता है जो -
ख.सुखी वह है जो -

२)कविता की पंक्तियों को उचित क्रमानुसार लिखिए | (१)

क. मुझे उसका उसे मेरा हमेशा ध्यान रहता है |
ख. नदी चलती है झुककर, रास्ता आसान रहता है |
ग. चला जाता है जब इनसान, तब बलिदान रहता है |
घ. वो खुशकिस्मत है, जिसका हमसफर ईमान रहता है |

३) उचित प्रत्यय लगाइए | (१)

क. ईमान ⟶ ( )
ख. अकेला ⟶ ( )

४) 'नदी चलती है झुककर, रास्ता आसान रहता है' इस पंक्ति का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए | (२)

प्रश्न २ .आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ लिखिए |

जब को गए लक्खन, हैं लरिका,
परिखौं, पिय ! छाँह घरीक है ठाढ़े |
पोंछि पसेउ बयारि करौं,
अरू पाँय पखरिहौं भूभुरि डाढ़े ||
'तुलसी' रघुबीर प्रिया श्रम जानि कै,
बैठि बिलंब लौं कंटक काढ़े |
जानकी नाह को नेहु लख्यो,
पुलक्यो तनु, बारि बिलोचन बाढ़े ||

१) आकृति पूर्ण कीजिए | (२)

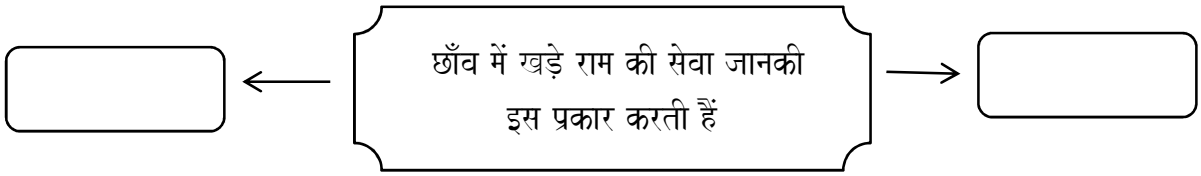

२) पद्यांश में आए इन अर्थों के शब्द लिखिए | (१)

क. लड़का - ⟶
ख. काँटा - ⟶

३) दिए गए पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए | (२)

प्रश्न २ इ. कविता की पंक्तियों पूर्ण कीजिए | (४)

क. मेरे भी पास यादों और सपनों के खजाने हैं,

_____

_____

_____

_____

यहाँ ऐसे रहो जैसे कोई मेहमान रहता है |

विभाग ३ - व्याकरण

प्रश्न ३ . सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए |

१) अव्यय के भेद पहचानिए और उससे वाक्य बनाइए | (२)

क . के बाहर

ख . ज्यादा

२) काल के भेद पहचानिए | (१)

क . सुमन गाने सुन रही थी |

ख . हम पिकनिक पर जाएँगे |

३) वाक्य का भेद पहचानिए | (१)

क . जाओ बाजार से सब्जी लाओ

ख . रोहन की खूशी का ठिकाना न रहा जब उसके पिताजी की छुट्टी मंजूर हो गई |

४) कहावत का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए | (१)

अ . कंधे -से -कंधा मिलाना -

५) उपसर्ग और प्रत्यय लिखिए | (१)

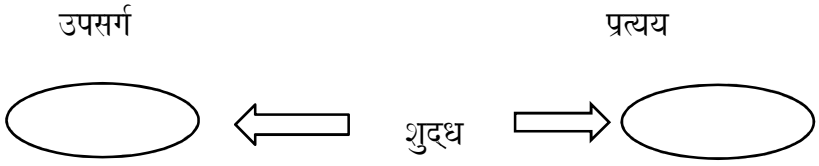

विभाग ४ - रचना

प्रश्न ४ . १) किसी <u>एक</u> विषय पर निबंध लिखिए | (४)

क . संगणक शाप या वरदान ख . अगर मुझे जादू की छड़ी मिल जाए तो.....

२) दिए गए विषय पर पत्र लिखिए | (४)

माइक पर होने वाले शोर का वर्णन करते हुए नगराध्यक्ष को शिकायत पत्र लिखिए |